बुढ़िया और गणेश जी की कहानी – Budhiya aur Ganesh Ji ki Kahani PDF

एक अंधी बुढ़िया थी, जिसका एक लड़का और बहू थी। वह बहुत गरीब थी। वह अंधी बुढ़िया माई नित्यप्रतिदिन गणेशजी की पूजा किया करती थी। माई की पूजा से प्रसन्न होकर एक दिन गणेशजी भगवान साक्षात् सन्मुख आकर बैठ गये और बोले कि बुढ़िया माई तू प्रतिदिन निस्वार्थ भाव से मेरी पूजा करती हैं जो चाहे सो मांग ले। बुढ़ियामाई बोली हे विध्नहर्ता गणेश जी भगवान मुझेतो मांगना नहीं आता सो क्या मांगू। तब गणेशजी भगवान बोले कि माई मैं कल आऊंगा तू अपने बहू-बेटे से पूछ कर मांग ले। तब बुढ़िया ने अपने बेटे बहूँ से पूछा तो बेटा बोला किमाँ धन मांग ले और बहू ने कहा कि माँ पोता मांग लो । तब बुढ़िया ने सोचा कि बेटा-बहू तो अपने-अपने मतलब की बातें कर रहे हैं।

अतः उस बुढ़िया ने पड़ोसिन से पूछा तो पड़ोसिन ने कहा कि बुढ़ियामाई तेरी थोड़ी-सी जिंदगी बची है।तू क्यों तो मांगे धन औरक्यों मांगे पोता, तू तो केवल अपने दीदा गोडा [आखे और गोढे] मांग ले, जिससे तेरा जीवन सुख से व्यतीत हो जाए। उस बुढ़ियामाई ने बेटे, बहू तथा पड़ोसिन की बात सुनकर घर में जाकर सोचा, जिससे बेटा-बहू भी खुश हो जाये और मेरा भी भला हो वह भी मांग लूं ।

जब दूसरे दिन गणेशजी भगवान आए और बोले, बुढ़िया माई मांग ले |गणेशजी भगवान के वचन सुनकर बुढ़ियामाई बोली हे विघ्नहर्ता , अन्न देवो , धन देवो , निरोगी काया देवों , अमर सुहाग देंवो , दीदा गोढा देवो , सोने के कटोरे में पोते को दूध पीता देखू , अमर सुहाग देवो और समस्त परिवार को सुख देंवो आपके श्री चरणों में मुझे स्थान देवो | बुढ़िया की बात सुनकर गणेशजी बोले- बुढ़िया मां तूने तो मुझे ठग लिया। और कहती हैं की माँगना नहीं आता , जो कुछ तूने मांग लिया वह सभी तुझे मिलेगा। यूं कहकर गणेशजी भगवान अंतर्ध्यान हो गए। हे गणेशजी भगवान जैसा बुढ़िया माई को दिया वैसा सबको देना , वैसे ही सबको देना और सभी पर अपनी कृपा बनाये रखना।

Click Here to Read Hindi Stories

www.hindistorypdf.com